

507

Total Pages : 5

Roll No. -----

MCM-202

Entrepreneurship Development

उद्यमिता विकास

Master of Commerce

Second Year, Examination 2021 (Winter)

Time: 2 Hours

Max. Marks: 80

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section – A /खण्ड-क

(Long Answer – type questions) / (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

507

1

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. Define Entrepreneurship. Explain various types of entrepreneurs with example.

उद्यमिता को परिभाषित कीजिए। उदाहरण सहित उद्यमियों के विभिन्न प्रकार की व्याख्या कीजिए।

Q.2. "Entrepreneurs are made not born." Explain. Also, describe the significance of entrepreneurship development programs in India.

"उद्यमी पैदा नहीं होते हैं।" व्याख्या कीजिए। साथ ही, भारत में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों के महत्व का वर्णन भी कीजिए।

Q.3. Define women entrepreneur. Describe reasons for slow progress of women entrepreneurs in India.

महिला उद्यमी को परिभाषित कीजिए। भारत में महिला उद्यमियों की धीमी प्रगति के कारणों का वर्णन कीजिए।

Q.4. What are the challenges faced by an entrepreneur?
How does the economy affect the finances of an enterprise? Explain.

एक उद्यमी को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?
अर्थव्यवस्था एक उपक्रम के वित्तीय साधनों को कैसे प्रभावित करती है ? व्याख्या कीजिए।

Q.5. Why is small business important for the development of any country? What role has small & medium business played in India? Explain.

किसी भी देश के विकास के लिए लघु व्यवसाय क्यों महत्वपूर्ण है? भारत में लघु और मध्यम व्यापार की क्या भूमिका है? व्याख्या कीजिए।

Section – B / खण्ड— ख

(Short-answer-type questions) / लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

[4 x 10 = 40]

P.T.O.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Briefly discuss any four (04) of the following:

निम्न में से किन्ही चार (04) पर संक्षेप में चर्चा कीजिए;

Q.1. Various Factors Affecting Entrepreneurial Growth.

उद्यमशीलता विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक।

Q.2. Various Sources of Finance Available for Small Scale Entrepreneurial enterprise in India.

भारत में लघु उद्यमशीलता उपक्रम के वित्त के लिए उपलब्ध विभिन्न स्रोत।

Q.3. Merits and Demerits of Partnership in Entrepreneurship.

उद्यमिता में साझेदारी के गुण व अवगुण।

Q.4. Characteristics and Ownership Structure of Small Enterprise Business.

लघु उद्यम व्यवसाय की विशेषताएं और स्वामित्व संरचना।

Q.5. Corrective Measures of Industrial Sickness in Entrepreneurial Enterprise in India with Examples.

उदाहरण सहित भारत में उद्यमशीलता उपक्रम में औद्योगिक रूग्णता के सुधारात्मक उपाय ।

Q.6. Steps Involved in the Setting up a Small Business.

एक लघु व्यवसाय की स्थापना में शामिल चरण ।

Q.7. Development of Entrepreneurial Competencies.

उद्यमशीलता दक्षताओं का विकास ।

Q.8. Factors Determining Capital Structure with Example in an Entrepreneurial Enterprise.

उदाहरण सहित उद्यमशीलता उपक्रम में पूँजी संरचना का निर्धारण करने वाले कारक ।
